भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 228

जिसका उत्तर सोमवार, 25 नवंबर, 2024/4 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया गया

गैर-निष्पादनकारी आस्तियां

228. श्रीमती रचना बनर्जी:
श्री अनिल यशवंत देसाई:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गैर-निष्पादनकारी आस्तियों के कुल कितने मामले दर्ज किए गए हैं और विगत पांच वर्षों के दौरान सरकार द्वारा बट्टे खाते डाली गई कुल राशि का वर्ष-वार और बैंक-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) आज की तारीख के अनुसार बैंकों की कुल अनर्जक आस्तियों अथवा अशोध्य ऋणों का बैंक-वार ब्यौरा क्या है और विगत पांच वर्षों के दौरान वर्ष-वार कितने मामलों का समाधान किया गया और कुल कितनी राशि वसूल की गई;

(ग) ऐसे मामलों की संख्या कितनी है जिनमें बैंकों ने ऋण वसूली अधिकरण (डीआरटी) का दरवाजा खटखटाया है;

(घ) चूककर्ताओं से ऐसे अशोध्य ऋणों और गैर-निष्पादनकारी आस्तियों की वसूली के लिए सरकार द्वारा क्या प्रभावी उपाय किए गए हैं; और

(ङ) क्या ब्याज सहित ऋण राशि की वसूली के अलावा अभियुक्त को कारावास की कोई सजा दी जाती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) और (ख): सरकार बैंकों द्वारा उधारकर्त्ताओं को दिए गए ऋणों को बट्टे खातें नहीं डालती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशानिर्देशों और बैंकों के बोर्डों द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार, बैंकों ने अन्य बातों के साथ-साथ, उन अनुपोज्य आस्तियों को बट्टे-खाते डाल दिया है, जिनके संबंध में चार वर्ष पूरे होने पर पूर्ण प्रावधान किया गया है। ऐसे बट्टे-खाते डालने से उधारकर्ता की जिम्मेवारी समाप्त नहीं होती है, इस प्रकार बट्टे-खाते डालने से उधारकर्ता को कोई लाभ नहीं होता है। उधारकर्ता पर पुनर्भुगतान का दायित्व बना रहता है और बैंक द्वारा इन खातों से वसूली के लिए आरंभ की गई कार्रवाई जारी रहती है। विगत पांच वित्तीय वर्ष के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) द्वारा बट्टे खाते डाले गए ऋणों का बैंक-वार और वर्ष-वार ब्यौरा अनुबंध 1 में दिया गया है। दिनांक 31.3.2024 की स्थिति के अनुसार, एससीबी में सकल एनपीए का बैंक-वार ब्यौरा अनुबंध 2 में दिया गया है और विगत पांच वित्तीय वर्ष के दौरान एससीबी द्वारा वसूली गई राशि (बट्टे खाते डाले गए ऋणों से वसूली सहित) का वर्ष-वार ब्यौरा अनुबंध-3 में दिया गया है। इसके अलावा, आरबीआई ने सूचित किया है कि इसके पास अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) द्वारा पंजीकृत किए गए और समाधान किए गए एनपीए के मामलों की संख्या नहीं होती है।

(ग): विगत पांच वित्तीय वर्ष के दौरान एससीबी (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और भुगतान बैंकों के अतिरिक्त) द्वारा डीआरटी को भेजे गए मामलों की संख्या निम्नानुसार है:-

वित्तीय वर्ष	मामलों की संख्या
2019-20	33,139
2020-21	28,182
2021-22	30,651
2022-23	40,744
2023-24*	30,855

स्रोत: आरबीआई (वर्ष 2023-24 के लिए अनंतिम आंकड़े)

(घ): सरकार और आरबीआई ने चूककर्ताओं से वसूली करने और एनपीए को कम करने के लिए व्यापक कदम उठाए हैं, जिससे विगत पांच वित्तीय वर्ष के दौरान एससीबी द्वारा 6,82,286 करोड़ रुपए की समग्र वसूली की जा सकी है। इन कदमों में, अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित शामिल हैं:-

(1) दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के कारण ऋण संस्कृति में परिवर्तन होने से ऋणदाता-कर्जदार के संबंधों में मूलभूत बदलाव आया है, जिसमें चूककर्ता कंपनी के प्रवर्तकों/स्वामियों से कंपनी का नियंत्रण वापस ले लिया गया और समाधान प्रक्रिया से इरादतन चूककर्ताओं को प्रतिबंधित किया गया। इस प्रक्रिया को और अधिक सख्त बनाने हेतु कॉरपोरेट उधारकर्त्ता के व्यक्तिगत गारंटीदाताओं को भी आईबीसी के दायरे में लाया गया है।

(2) वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 और ऋण की वसूली और शोधन अक्षमता अधिनियम को अधिक प्रभावी बनाने के लिए इसमें संशोधन किया गया है।

(3) ऋण वसूली अधिकरण (डीआरटी) को अधिक मूल्य वाले मामलों पर ध्यान केन्द्रित करने में सक्षम बनाने के लिए डीआरटी के वित्तीय अधिकार क्षेत्र को 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए किया गया है ताकि बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के लिए अधिक राशि वसूल की जा सके।

(4) सार्वजनिक क्षेत्र के बैकों ने एनपीए खातों की प्रभावी निगरानी और उन पर केंद्रित अनुवर्ती कार्रवाई के लिए विशेषीकृत दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन वर्टिकल और शाखाएं तैयार की हैं, जो त्वरित और बेहतर समाधान उपलब्ध कराते हैं/वसूली कराते हैं। व्यवसाय प्रतिनिधियों के अभिनियोजन और फीट-ऑन-स्ट्रीट मॉडल को अपनाने से भी बैंकों में वसूली की स्थिति में सुधार हुआ है।

(5) समाधान योजना को शीघ्र अपनाए जाने के लिए उधारदाताओं को अंतर्निहित प्रोत्साहन के साथ आरबीआई द्वारा दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान के संबंध में विवेकपूर्ण ढांचा जारी किया गया है ताकि दबावग्रस्त आस्तियों की शीघ्र पहचान, रिपोर्टिंग की जा सके और इसका समयबद्ध समाधान किया जा सके।

(ङ): ऋणों की वसूली और दिवालापन के उपबंधों के अंतर्गत विभिन्न विनिर्दिष्ट परिस्थितियों में चूककर्ताओं को कारावास का दंड दिया जा सकता है। इसके साथ ही, इरादतन चूककर्ताओं और बड़े चूककर्ताओं पर कार्रवाई के संबंध में आरबीआई के मास्टर निदेश के अनुसार बैंक पात्र मामलों में इरादतन चूककर्ताओं के विरुद्ध आपराधिक कार्यवाही आरंभ कर सकते हैं और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन के संबंध में आरबीआई के मास्टर निदेश के अनुसार बैंकों से यह अपेक्षा की गई है कि वे धोखाधड़ी की घटनाओं की रिपोर्ट तत्काल विधि प्रवर्तन एजेंसियों को करें, जिसमें विनिर्दिष्ट सीमा से ऊपर की अंतर्ग्रस्त राशि के मामले को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को रिपोर्ट करना शामिल है। इसके अलावा, आरबीआई ने सूचित किया है कि इसके द्वारा चूककर्ताओं को कारावास का दंड देने के संबंध में जानकारी नहीं रखी जाती है।

*****

अनुबंध-1

एनपीए मामलों के संबंध में लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 228

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा बट्टे खाते डाले गए ऋण

(राशि करोड़ रुपये में)

बैंक	वित्तीय वर्ष 2019-20	वित्तीय वर्ष 2020-21	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24
अबू धाबी कमर्शियल बैंक पीजेएससी	64	-	-	-	-
अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्पोरेशन	180	127	215	78	99
एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	47	115	188	190	405
ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड बैंकिंग ग्रुप लिमिटेड	75	-	-	-	-
एक्सिस बैंक लिमिटेड	9,019	12,018	9,126	6,248	8,346
बंधन बैंक लिमिटेड	655	2,038	3,247	8,017	3,852
बैंक ऑफ बहरीन और कुवैत बी.एस.सी.	5	61	9	-	0
बैंक ऑफ बड़ौदा	15,912	14,782	17,967	17,998	10,518
बैंक ऑफ सीलोन	-	1	0	-	-
बैंक ऑफ इंडिया	7,618	8,815	10,443	8,694	9,897
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	5,698	4,931	3,118	1,491	990
बैंक ऑफ नोवा स्कोटिया	-	-	-	62	0
बार्कलेज बैंक पीएलसी	52	73	163	80	31
बीएनपी परिबास	-	-	1	6	-
केनरा बैंक	7,498	7,642	8,210	4,472	11,827
सिंडिकेट बैंक	4,934	-	-	-	-
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	4,169	5,992	1,236	10,258	10,001
सिटी बैंक एन.ए.	559	370	576	351	3
सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड	374	412	629	530	263
सहकारी राबोबैंक यू.ए.	123	-	175	60	59
क्रेडिट सुइस एजी	260	-	-	-	-
सीएसबी बैंक लिमिटेड	215	138	110	21	11
डीबीएस बैंक इंडिया लिमिटेड	184	139	438	762	691
लक्ष्मी विलास बैंक लिमिटेड	19	108	-	-	-
डीसीबी बैंक लिमिटेड	120	126	88	162	112
ड्यूश बैंक एजी	105	485	213	100	807
दोहा बैंक क्यू.पी.एस.सी.	-	-	-	-	27
इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	72	245	360	410	232
ईएसएएफ स्मॉल फानइनेंस बैंक लिमिटेड	29	-	74	495	306
फेडरल बैंक लिमिटेड	734	398	929	375	111
फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	45	28	370	473	184
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड	8,254	9,289	9,405	10,769	11,030
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड	10,952	9,507	10,148	4,521	6,198
आईडीबीआई बैंक लिमिटेड	5,936	8,392	2,889	21,926	2,985
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड	1,510	1,433	4,202	2,797	2,984
इंडियन बैंक	3,032	8,371	8,347	7,952	8,734
इलाहबाद बैंक	9,120	-	-	-	-
इंडियन ओवरसीज बैंक	16,405	4,618	3,769	3,412	7,179
इंडसइंड बैंक लिमिटेड	2,539	4,055	4,385	3,762	2,471
इंडस्ट्रीयल एंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना	43	35	-	-	-

बैंक	वित्तीय वर्ष 2019-20	वित्तीय वर्ष 2020-21	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24
जम्मू एंड कश्मीर बैंक लिमिटेड	65	1,185	758	805	613
जन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	300	233	585	639	319
कर्नाटक बैंक लिमिटेड	904	1,060	585	498	395
करूर वैश्य बैंक लिमिटेड	961	619	879	1,892	654
केईबी हाना बैंक	-	12	-	-	-
कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड	936	628	1,230	790	2,258
नैनीताल बैंक लिमिटेड	0	1	119	3	45
नॉर्थ ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	8	-	81	98	-
पीटी बैंक मेबैंक इंडोनेशिया टीबीके	-	-	18	-	-
पंजाब एंड सिंध बैंक	1,781	71	1,134	2,283	796
पंजाब नेशनल बैंक	13,365	15,877	18,312	16,578	18,317
ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स	3,351	-	-	-	-
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया	1,728	-	-	-	-
कतर नेशनल बैंक (क्यू.पी.एस.सी)	-	-	-	-	52
आरबीआई बैंक लिमिटेड	1,253	1,675	2,294	1,758	1,720
सबैंक	-	-	50	14	-
एसबीएम बैंक (इंडिया) लिमिटेड	45	12	19	-	-
शिन्हान बैंक	-	-	-	0	133
शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	-	-	-	5	1
सोसिएट जनरल	-	-	-	-	73
साउथ इंडियन बैंक लिमिटेड	874	1,135	700	157	328
स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक	3,111	1,697	1,325	423	567
भारतीय स्टेट बैंक	52,362	34,402	19,666	24,061	16,161
सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	48	97	231	620	103
तमिलनाड मर्कैंटाइल बैंक लिमिटेड	366	393	321	99	211
धनलक्ष्मी बैंक लिमिटेड	103	14	83	3	55
हांगकांग और शंघाई बैंकिंग निगम लिमिटेड	118	185	234	99	100
यूको बैंक	12,479	9,410	3,851	2,575	1,938
उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	64	74	789	483	274
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	8,417	16,983	19,484	19,175	18,264
आंध्रा बैंक	4,195	-	-	-	-
कॉर्पोरेशन बैंक	3,814	-	-	-	-
यूनाइटेड ओवरसीज बैंक लिमिटेड	55	-	-	-	51
यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	-	-	-	9	3,406
उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	56	35	219	383	313
वूरी बैंक	13	-	-	-	-
यस बैंक लिमिटेड	6,842	12,240	971	18,114	2,762

स्रोत: आरबीआई

*****

अनुबंध-2

एनपीए मामलों के संबंध में लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 228

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल एनपीए

(राशि करोड़ रुपये में)

बैंक	सकल एनपीए 31.3.2024 को स्थिति
अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्पोरेशन	262
एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	1,237
एक्सिस बैंक लिमिटेड	14,345
बंधन बैंक लिमिटेड	4,785
बैंक ऑफ बहरीन और कुवैत बी.एस.सी.	18
बैंक ऑफ बड़ौदा	31,834
बैंक ऑफ सीलोन	48
बैंक ऑफ इंडिया	29,183
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	3,833
केनरा बैंक	40,605
कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	170
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	11,340
सिटी बैंक एन.ए.	196
सिटी यूनियन बैंक लिमिटेड	1,854
क्रेडिट एग्रीकोल कॉर्पोरेट और इनवेस्ट बैंक	3
सीएसबी बैंक लिमिटेड	361
डीबीएस बैंक इंडिया लिमिटेड	1,793
डीसीबी बैंक लिमिटेड	1,353
ड्यूश बैंक एजी	762
दोहा बैंक क्यू.पी.एस.सी	9
इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	821
ईएसएएफ लघु वित्त बैंक लिमिटेड	893
फेडरल बैंक लिमिटेड	4,529
फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	200
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड	31,057
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड	27,314
आईडीबीआई बैंक लिमिटेड	8,917
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड	3,718
इंडियन बैंक	21,106
इंडियन ओवरसीज बैंक	6,794
इंडसइंड बैंक लिमिटेड	6,693
जम्मू एंड कश्मीर बैंक लिमिटेड	3,956
जन लघु वित्त बैंक लिमिटेड	494
कर्नाटक बैंक लिमिटेड	2,578
करूर वैश्य बैंक लिमिटेड	1,042
केईबी हाना बैंक	40
कूकमिन बैंक	10
कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड	5,275
मिज़ुहो बैंक लिमिटेड	6
नैनीताल बैंक लिमिटेड	399

बैंक	सकल एनपीए 31.3.2024 को स्थिति
नॉर्थ ईस्ट स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	99
पंजाब एंड सिंध बैंक	4,665
पंजाब नेशनल बैंक	56,343
आरबीएल बैंक लिमिटेड	2,271
सर्बैंक	22
एसबीएम बैंक (इंडिया) लिमिटेड	124
शिन्हान बैंक	21
शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	43
सोसिएट जनरल	6
सोनाली बैंक	4
साउथ इंडियन बैंक लिमिटेड	3,620
स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक	2,674
भारतीय स्टेट बैंक	84,276
सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	242
तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक लिमिटेड	575
धनलक्ष्मी बैंक लिमिटेड	421
हांगकांग और शंघाई बैंकिंग निगम लिमिटेड	458
यूको बैंक	6,463
उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	613
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	43,098
यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	360
उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड	418
वूरी बैंक	66
यस बैंक लिमिटेड	3,983

स्रोत: आरबीआई

*****

अनुबंध -3

एनपीए मामलों के संबंध में लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 228

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा एनपीए में वसूली

(राशि करोड़ रुपये में)

वित्तीय वर्ष	**वसूली गई राशि**
2019-20	1,47,375
2020-21	1,14,368
2021-22	1,37,456
2022-23	1,59,787
2023-24	1,23,299

स्रोत: आरबीआई